बी0ए0 प्रथम वर्ष
इतिहास
प्रथम प्रश्न पत्र
(प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास–छठी शताब्दी ई0पू0 से 1200 ई0 तक)

इकाई–प्रथम :

1. **ऐतिहासिक स्रोतों का संक्षिप्त सर्वेक्षण** : इतिहास की जानकारी के साधन।
2. **छठीं शताब्दी ई0पू0 में राजनीतिक दशा।**
   - **(अ)** षोडस महाजनपद – संक्षिप्त परिचय।
   - **(ब)** उत्तर पूर्व में गणराज्य – संक्षिप्त परिचय। शासन पद्वति
   - **(स)** धार्मिक आन्दोलनों का राजनीतिक प्रभाव।
3. **राजतंत्रात्मक राज्यों का उत्कर्ष** – मगध साम्राज्य का अभ्युदय एवं प्रसार– बिम्बसार, अजातशत्रु एवं महापद्मनंद का योगदान।
4. **सिकंदर का आक्रमण** – पोरस की पराजय के कारण सिकन्दर के आक्रमण का प्रभाव।

इकाई–द्वितीय :

5. **मौर्य राजवंश** – **(अ)** चन्द्रगुप्त मौर्य का जीवन परिचय, दिग्विजय, साम्राज्य का विस्तार।
   (ब) अशोक – जीवन परिचय, अशोक का धम्म, प्रशासनिक सुधार।
   (स) मौर्य साम्राज्य का विघटन और उसके पतन के कारण।
6. **शुंग–सातवाहन काल** – **(अ)** पुष्यमित्र शुंग – राजनीतिक तथा सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
   (ब) सातवाहन वंश – गौतमी पुत्र शातकर्णी।

इकाई–तृतीय :

7. **विदेशी आक्रमण** –
   - **(अ)** यवनों का आक्रमण – डिमेट्रियस तथा मिनान्डर।
   - **(ब)** शक – रूद्रदामन।
   - **(स)** कुषाण–कुषाणों का परिचय, कनिष्क, राज्यारोहण, राजनैतिक तथा सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
8. **गुप्त राजवंश** –
   - **(अ)** गुप्त साम्राज्य की स्थापना।
   - **(ब)** साम्राज्य विस्तार।
     - **(क)** चन्द्रगुप्त प्रथम
     - **(ख)** समुद्रगुप्त
     - **(ग)** चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य
     - **(घ)** कुमारगुप्त
     - **(ड.)** स्कन्दगुप्त
   - **(स)** गुप्त प्रशासन
   - **(द)** गुप्त साम्राज्य का विघटन एवं पतन, हूण आक्रमण।

इकाई–चतुर्थ :

9. **पुष्यभूति वंश** – हर्ष – राजनीतिक तथा सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
10. **हर्षोत्तरयुगीन भारत** – **(क)** राजपूतों की उत्पत्ति विषयक विभिन्न मत।
(ख) राजपूत राजवंशों का संक्षिप्त परिचय, हर्षोत्तरयुगीन उत्तर भारत की राजनैतिक दशा, त्रिराज्य संघर्ष।
(ग) मुस्लिम आक्रमणों का विवरण – अरब आक्रमण मुहम्मद–बिन–कासिम।
(घ) राजपूतों के पराभव के कारण।

अनुमोदित पुस्तकें–

रायचौधुरी, हेमचन्द्र	: प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास
मजूमदार, आर. सी.	: प्राचीन भारत
त्रिपाठी, आर. एस.	: प्राचीन भारत का इतिहास
पाण्डेय, विमल चन्द्र	: प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सास्कृतिक इतिहास,दो खण्ड
पाण्डेय, राजबली	: प्राचीन भारत
श्रीमाली झा	: प्राचीन भारत का इतिहास
थापर, रोमिला	: भारत का इतिहास
पाण्डेय, विमल चन्द्र	: प्राचीन भारत का रानीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (दो भाग)
श्रीवास्तव, के. सी.	: प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति

द्वितीय प्रश्न पत्र

(मध्यकालीन भारत का राजनीतिक इतिहास 1206 ई0 से 1761 ई0 तक)

इकाई–प्रथम :

1. **तुर्की सत्ता की स्थापना एवं तुर्कों की सफलता के कारण।**
2. **गुलाम वंश** – कुतुबुद्दीन ऐबक – समस्या एवं समाधान
   – इल्तुतमिश – समस्या एवं समाधान, उपलब्धियाँ
   – इल्तुतमिश – उत्तराधिकारी – रजिया।
   – बलबन – राजत्व–सिद्धान्त, उपलब्धियाँ।
3. **ख़लजी वंश** – अलाउद्दीन ख़लजी – साम्राज्य विस्तार एवं आर्थिक सुधार।

इकाई–द्वितीय :

4. **तुगलक वंश** – मुहम्मद बिन तुगलक – महत्वाकांक्षी योजनाएँ, चरित्र।
   – फिरोज तुगलक – सुधार
   – तैमूर का आक्रमण – तुगलक वंश का पतन।
5. **लोदी वंश** – संक्षिप्त परिचय – सिकन्दर लोदी।
6. **सल्तनतकालीन प्रशासन, सल्तनत की समाप्ति, मुगलों के आगमन के समय भारत की राजनैतिक दशा।**

इकाई–तृतीय :

7. **बाबर** – विजयें, उपलब्धियाँ।
8. **हुमायूँ** – प्रारम्भिक कठिनाइयाँ, असफलता के कारण।
9. **शेरशाह** – प्रशासन।
10. **अकबर** – साम्राज्य विस्तार, राजपूत नीति, धार्मिक नीति, राष्ट्रीय शासक के रूप में मूल्यांकन।

इकाई–चतुर्थ :

11. **जहाँगीर** – उपलब्धियाँ, चरित्र एवं नूरजहाँ का दरबार में प्रभाव।
12. **शाहजहां** – मध्य एशियाई नीति, स्वर्ण काल।
13. **औरंगजेब** – धार्मिक नीति, दक्षिणी नीति।
14. **शिवाजी** – साम्राज्य निर्माता, प्रशासन।
15. **उत्तर मुगलकालीन राजनीतिक स्थिति, नादिरशाह का आक्रमण।**
16. **पानीपत का तृतीय युद्ध 1761**
17. **मुगल प्रशासन, मुगल साम्राज्य का विघटन और पतन।**

संदर्भः–

एल0पी0 शर्मा	: मध्यकालीन भारत
आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव	: मध्यकालीन भारत
लईक अहमद	: मध्यकालीन भारत (इलाहाबाद)
राजीव द्विवेदी	: औरंगजेब और उसके उत्तराधिकारी (1657–1761)
रायचौधरी, दत्त, मजूमदार	: भारत का बृहत इतिहास
सतीश चन्द्रा	: मध्यकालीन भारत, भाग–1,2, (1200–1748)
हरिश्चन्द्र वर्मा	: मध्यकालीन भारत, भाग–1,2.
ईश्वरी प्रसाद	: हिस्ट्री ऑफ मेडिवल इंडिया
अशोक श्रीवास्तव	: मध्यकालीन भारत, भाग 1,2.

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
इतिहास
प्रथम प्रश्नपत्र
आधुनिक भारत का राजीनतिक इतिहास (1740 ई0 से 1947 ई0 तक)

इकाई–प्रथम :

1– 18वीं शताब्दी में भारत की राजनीतिक दशा। 2–अवध, मैसूर, कर्नाटक, सिक्ख, मराठा– शक्तियों का उत्थान एवं पतन। 3– आंग्ल– फ्रांसीसी संघर्ष (डूप्ले और क्लाइव)

इकाई–द्वितीय :

4– अंग्रेजों का भारत में साम्राज्य विस्तार (1750 से 1818 तक)।

5– ब्रिटिश सत्ता का सुदृढ़ीकरण (1818 से 1857 तक)।

6– भारत में ब्रिटिश सरकार का ढाँचा, प्रशासनिक स्वरूप, ब्रिटिश सरकार की नीतियाँ।

इकाई–तृतीय :

7– 1857 का विद्रोह, प्रकृति, कारण, परिणाम, विफलता के कारण, मूल्याकंन।

8– 1857 के पश्चात ब्रिटिश राज– गृह एवं विदेशी नीति।

9– नव भारत का विकास–राष्ट्रीय आन्दोलन (सन् 1857 से 1947 तक)।

इकाई– चतुर्थ –

10– भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – उद्देश्य, कार्य, विकास।

11–महात्मा गांधी की राष्ट्रीय आन्दोलन में भूमिका।

12–आचार्य नरेन्द्र देव, पं0 जवाहर लाल नेहरू, जयप्रकाश नारायण, सुभाषचन्द्र बोस, डॉ0 राममनोहर लोहिया का संक्षिप्त परिचय।

अनुमोदित पुस्तकें –

महाजन, विद्याधर	: आधुनिक भारत का इतिहास, एस.चन्द एंड कम्पनी, दिल्ली, 1985।
महाजन, विद्याधर	: भारत का संवैधानिक विकास तथा राष्ट्रीय आन्दोलन, एस. चन्द एंड कम्पनी, दिल्ली, 1985।
शर्मा. एल.पी.	: आधुनिक भारत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
ठाकुर तथा चौधरी	: आधुनिक भारत का इतिहास, एम.एल.वी.डी. 1979।
रायचौधरी, दत्त, मजूमदार	: भारत का बृहद् इतिहास।
नागौरी, ए.एस.	: आधुनिक भारत (1740–1950), आर.बी.एस.प्रकाशन, जयपुर।
वर्मा, दीनानाथ	: आधुनिक भारत, ज्ञानदा प्रकाशन, पटना, 1987।
चन्द्र विपिन	: भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष
सरकार, सुमित	: आधुनिक भारत
यशपाल व बी.एल. ग्रोवर	: आधुनिक भारत का इतिहासः एक नवीन मूल्याकंन (1707 से वर्तमान समय तक), एस.चन्द एण्ड कम्पनी, दिल्ली 1987।
पाण्डेय धनपति	: आधुनिक भारत
जैन. एम.एस.	: आधुनिक भारत
छाबड़ा, जी.एस.	: आधुनिक भारतः एक प्रगति अध्ययन
मिश्रा, जे.पी.	: आधुनिक भारत
शुक्ला, रामलखन	: आधुनिक भारत

द्वितीय प्रश्नपत्र
आधुनिक यूरोप का इतिहास (1789 ई0 से 1919 ई0 तक)

इकाई–प्रथम :

1– 1789 की फ्रांसीसी क्रान्ति : पृष्ठभूमि, कारण और स्वरूप।
2–क्रान्ति के पश्चात् की व्यवस्थाएं– प्रथम गणतन्त्र।
3– नेपोलियन का अभ्युदय– प्रथम कान्सल के रूप में, महाद्वीपीय व्यवस्था, नेपोलियन का पतन।
4– 1815 में वियना सम्मेलन–उद्देश्य, व्यवस्था, समीक्षा।

इकाई–द्वितीय :

5– संयुक्त योरोपीय व्यवस्था।
6– मेटरनिख–कार्य तथा मूल्याकंन।
7– 1830 की क्रांतियाँ तथा परिणाम।
8– 1848 की क्रांतियाँ तथा परिणाम।
9– नेपोलियन तृतीय–गृह एवं विदेश नीति।
10– पूर्वी प्रश्न : स्वरूप तथा क्रीमिया युद्ध।

इकाई–तृतीय :

11– इटली का एकीकरण : मैजिनी, काबूर एवं गैरीबाल्डी का योगदान।
12– जर्मनी का एकीकरण – बिस्मार्क का योगदान।
13– जर्मनी की विदेश नीति (बिस्मार्क 1871–1890)
14– जर्मनी की विदेश नीति (बिस्मार्क 1890–1914)।

इकाई–चतुर्थ :

15– प्रतिरक्षात्मक गुटों का संक्षिप्त परिचय।
16– पूर्वी प्रश्न, 1878 की बर्लिन कांग्रेस, बाल्कन युद्ध (1912–13)।
17– प्रथम विश्वयुद्ध के कारण।
18– वर्साय की संधि, (पेरिस सम्मेलन) 1919।

अनुमोदित पुस्तकें–

झा. जगदीश चन्द्र	: आधुनिक यूरोप
साउथगेटे	: आधुनिक यूरोप का इतिहास
मेहता, ब्रजनंदन	: आधुनिक यूरोप – दो भाग
वर्मा, दीनानाथ	: आधुनिक यूरोप – दो भाग
वर्मा, दीनानाथ	: अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
वर्मा, लाल बहादुर	: यूरोप का इतिहास (1789 से 1945)

संदर्भ ग्रंथ–

कैटल्बी	: आधुनिक काल का इतिहास (हिन्दी संस्करण)
गूच	: आधुनिक यूरोप का इतिहास
फिशर	: नेपोलियन

बी0ए0 तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (1857 ई0 से 1947 ई0 तक)

इकाई–प्रथम :

राजनीतिक चेतना का विकास एवं राष्ट्रवाद का उद्‌भव। 1857 की क्रांति। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उदय की परिस्थितियाँ। नरम दलीय युग (सन् 1885–1905 तक)– रणनीति, विचारधारा, कार्यक्रम की उपलब्धियॉ।

इकाई– द्वितीय :

उग्रराष्ट्रवाद (गरम दलीय राजनीति) के उदय की परिस्थितियाँ, बंग–भंग विरोधी आन्दोलन, स्वदेशी एवं बहिष्कार आन्दोलन। क्रांतिकारी आन्दोलन–उदय एवं विकास। मुस्लिम लीग का अभ्युदय एवं गतिविधियाँ। होमरूल आन्दोलन। लखनऊ समझौता।

इकाई – तृतीयः

खिलाफत आन्दोलन, असहयोग आन्दोलन, कृषकों व श्रमिकों का आन्दोलन, स्वराज दल, साइमन कमीशन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन।

इकाई– चतर्थु :

सन् 1935 का अधिनियम–प्रान्तीय स्वायत्तता, भारतीय राजनीति में बामपंथ का उदय। कांग्रेस समाजवादी दल। क्रिप्स मिशन, भारत छोड़ो आन्दोलन, आजाद हिन्द फौज। मुस्लिम लीग का दो राष्ट्र का सिद्धांत एवं पाकिस्तान की माँग। कैबिनेट मिशन और सत्ता हस्तांतरण। भारत विभाजन की परिस्थितियाँ।

सहायक एवं संदर्भ ग्रंथ–

ए0सी0 मजूमदार	: इण्डियन नेशनल इवोल्यूशन
शेखर बंधोपाध्याय	: पलासी से विभाजन तक
ताराचन्द	: हिस्ट्री आफ दी फ्रीडम मूवमेण्ट इन इण्डिया चार खण्ड– (हिन्दी)
एस0 आर0 मेहरोत्रा	: दि इमरजेंस आफ दी इण्डियन नेशनल
विश्वनाथ प्रसाद वर्मा	: आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन
बी0 आर0 नन्दा	: महात्मा गांधी –ए बायोग्राफी
फिलिप एण्ड विनराइट	: दी पार्टीशन आफ इण्डिया
रामगोपाल	: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम
रामगोपाल	: भारतीय राजनीति– विक्टोरिया से नेहरू
जे0पी0 सूद	: इण्डियन नेशनल मूवमेंट
एल0ए0एस0ओ0 मेली	: माडर्न इण्डिया एण्ड द वेस्ट
जे0 एन0 फरखुहर	: माडर्न रिलिजस मूवमेंट्स इन इण्डिया
एस0 एन0 नटराजन	: ए सेन्चुरी ऑफ सोशल रिफार्म इन इण्डिया
आर0सी0 मजूमदार	: ब्रिटिश पेरामाउण्टसी एण्ड इंडियन रेनेशां सम्पा0– जिल्द 9,10
सुमित सरकार	: माडर्न इण्डिया
विपिन चन्द्र	: स्ट्रगल फार इंडिपेंडेंस (हिन्दी)
एस0एन0सेन	: हिस्ट्री आफ फ्रीडम मूवमेंट ऑफ इण्डिया

द्वितीय प्रश्नपत्र
समकालीन भारत (1947 से 1995 ई0 तक)

इकाई–प्रथम :

भारतीय स्वतंत्रता : विभाजन की पृष्ठभूमि, कारण एवं परिणाम। भारतीय संविधान एवं उसकी प्रमुख विशेषताएं। संसदीय कार्य प्रणाली, संघ एवं राज्य संबन्ध। भारतीय रियासतों का विलीनीकरण और राज्यों का पुनर्गठन।

इकाई–द्वितीय :

आर्थिक पुनर्निर्माण और पंचवर्षीय योजनाएँ, कृषि और उद्योग का विकास, निर्धनता– कारण और निवारण के प्रयास। विदेश नीति, सिद्धांत, पड़ोसी देश, राष्ट्रमंडल, भारत और महाशक्तियॉ, संयुक्त राष्ट्रसंघ, गुट निरपेक्ष आन्दोलन।

इकाई–तृतीय :

सामाजिक विकास और परिवर्तन, शिक्षा का विकास, सामाजिक कल्याण योजनाएं, सामाजिक परिवर्तन, महिला–आदिवासी–पिछड़े वर्ग का उत्थान। आधुनिक काल में साम्प्रदायिकता और क्षेत्रवाद की समस्यायें, राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की चुनौतियॉ।

इकाई– चतुर्थ :

धर्म निरपेक्षता, सर्वोदय आन्दोलन, बालश्रम, भारत के राजनीतिक दल– उनकी भूमिका, मण्डल प्रतिवेदन और राजनीति पर उसका प्रभाव, आतंकवाद, वैश्वीकरण, भारतीय लोकतंत्र की संभावनाएं।

अनुमोदित पुस्तकें –

लायल, बी0बी0	: भारतीय शासन और राजनीति
अग्रवाल, आर0सी0	: भारतीय संविधान का विकास और राष्ट्रीय आन्दोलन
गहलौत, एन0एस0	: भारतीय शासन एवं राजनीति
उपाध्याय लक्ष्मी शंकर	: समकालीन भारत का इतिहास
शर्मा, सी0पी0	: राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारतीय संविधान
नेहरू, जे0एल0	: डिस्कवरी आफ इंडिया
प्रसाद, आर0	: इंडिया डिवाइडेड
पट्टाभिसीतारमैया	: हिस्ट्री ऑफ इंडियन नेशनल कांग्रेस
विपिन चन्द्र	: समकालीन भारत

तृतीय प्रश्नपत्र
आधुनिक विश्व का इतिहास (1919 ई0 से 1945 ई0 तक)

आधुनिक विश्व का इतिहास (1919–1945)

इकाई–प्रथम :
यूरोप में **समाजवाद का विकास**, **कार्लमार्क्स**, पेरिस शान्ति सम्मेलन, राष्ट्रसंघ

इकाई–प्रथम :
चीन में **साम्यवादी क्रान्ति** विश्वयुद्ध के पश्चात् **रूस में साम्यवाद** का विकास–**लेनिन,** रूस का पुनर्निमाण– **स्टालिन**

इकाई–प्रथम :
आर्थिक मन्दी 1929, **नाजीवाद** और **फॉसीवाद** के उदय की पृष्ठभूमि–**हिटलर** और **मुसोलिनी**– आन्तरिक व वैदेशिक नीति, **दो विश्वयुद्धों के बीच फ्रांस की सुरक्षा** की खोज, इग्लैण्ड की विदेशनीति– तुष्टीकरण

इकाई–प्रथम :
निःशस्त्रीकरण– वाशिंगटन सम्मेलन, लोकार्नो पैक्ट, कैलॉग–ब्रियां पैक्ट, द्वितीय विश्वयुद्ध– कारण और परिणाम, **संयुक्त राष्ट्रसंघ**– गठन, उपलब्धियाँ और कार्यो की समीक्षा।

अनुमोदित पुस्तकें–

ग्राण्ट–टेम्पले,	: यूरोपः 19वीं सदी तथा बीसवीं सदी में (हिन्दी अनुवाद)
कैटल्बी	: आधुनिक काल का इतिहास (हिन्दी अनुवाद)
गेथार्न हार्डी,	: ए शार्ट हिस्ट्री ऑफ इण्टरनेशनल अफेयर्स
कार, ई.एच.	: दो विश्वयुद्धों के बीच अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
फ्रेडरिक, एन., शर्मा	: अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
शर्मा, मथुरा लाल	: अन्तर्राष्ट्रीय संबंध (1919–1945)
वर्मा, दीनानाथ	: आधुनिक विश्व का इतिहास
पान्थरी व महेश विक्रम सिंह	: संयुक्त राज्य अमेरिका का इतिहास
मेहता, बी.एन.	: आधुनिक यूरोप